छात्रों को अस्पताल में भरती कराया गया था। इनमें से 37 छात्रों को दूसरे ही दिन अस्पतालसे छुट्टी दे दी गई थी तथा शेष तीन छात्रों को दो दिन के पश्चात् छुट्टी दी गई थी।

घटना के तुरन्त पश्चात् तकनीकी विशेषज्ञों तथा दिल्ली के अपर जिला मजिस्ट्रेट की एक टीम ने घटना स्थल का निरीक्षण किया। मुख्य इंजीनियर/महाप्रबंधक (निर्माण), नवोदय विद्यालय समिति के विस्तृत निरीक्षण के माध्यम से यह कार्यवाई पूरी की गई थी। निरीक्षण के पश्चात् टीम को यह पता चला कि भूमि काफी नीची है तथा दिल्ली बाढ़ नियंत्रण विभाग ने अप्रवाहित पानी को अन्यत्र ले जाने के लिए एक खुला नाला खुदवाया था जिसके कारण एच०डी० पी० की जल आपूर्ति की पाइप लाइनें टूट-फूट गई थी तथा पीने का पानी दूषित हुआ था।

समिति ने बाह्य तथा आन्तरिक जल-प्रवाह, आन्तरिक मल व्ययन प्रणालों की नई रूपरेखा तैयार करने, जल आपूर्ति हेतु जी आई पाइप के परिवर्तन की योजना तथा आवधान जैसे आवश्यक कदम उठाए हैं। इस बीच विद्यालय को अस्थायी तौर पर तब तक के लिए बन्द कर दिया गया है जब तक कि स्वास्थ्य प्राधिकारियों की अनुमति प्राप्त नहीं हो जाती। इस घटना के कारण छात्रों की पढ़ाई में जो व्यवधान हुआ है उसे शरद अवकाश के दौरान कक्षाएं चलाकर पूरा किया जाएगा।

Transfer Guidelines of Non-Teaching Employees of KVS

1648. SHRI J. S. RAJU:
SHRI MISA R. GANESAN:

Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) what are the details of guidelines which regulate transfers and promotional postings of non-teaching employees of regional offices and headquarter office of Kendriya Vidyalaya Sangathan; and

(b) whether these are being adhared to scrupulously?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (DEPTT. OF EDUCATION AND DEPTT. OF CULTURE) (KUMARI SELJA): (a) and (b) Kendriya Vidyalaya Sangathan has intimated that no specific guidelines have been prescribed for effecting transfers of non-teaching employees of the Kendriya Vidyalaya Sangathan. However, due consideration is given to the length of stay| station, seniority, medical cases, spouse cases etc. while making such transfers.

रोजगारोन्मुख शिक्षा नीति

1649. **श्री ईश दत्त यादव :**
चौधरी हरमोहन सिंह :

क्या **मानव संसाधन विकास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार रोजगारोन्मुख शिक्षा नीति के संबंध में प्रारूप तैयार करने का विचार रखती है ;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ; और

(ग) तकनीकी शिक्षा के स्तर में सुधार करने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए जाने का विचार है ?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग और संस्कृति विभाग) में उप मंत्री (कुमारी शैलजा) : (क) और (ख) राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 1986 में वैयक्तिक रोजगार के अवसर को बढ़ाने तथा कुशलता प्राप्त जनशक्ति की मांग और आपूर्ति के बीच विषमता को कम करने के लक्ष्य (नीति के पैरा 5.16 से 5.23) के साथ व्यावसायिक शिक्षा पर पहले से ही काफी बल दिया गया है। व्यावसायिक शिक्षा में बड़ी संख्या में शिक्षकों और व्यावसायिकों को रखने की आवश्यकता महसूस कर ली गई है (पैरा

6.9)। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 के 6.1 से 6.11 तक के पैराओं में तकनीकी और प्रबंधन शिक्षा की विस्तार से चर्चा की गई है। अधिगम प्रक्रिया के अभिन्न अंग के रूप में आयोजित कार्य अनुभव पर भी बल दिया गया है (नीति के पैरा 8.14)। इस प्रकार संभावित रोजगारोन्मुख शिक्षा नीति के सभी पहलू राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 1986 में पहले से ही शामिल हैं।

(ग) तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए उठाए गए कदमों में तकनीकी शिक्षा के स्तर को ऊंचा उठाने के लिए गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम, देश के 542 पालिटेक्नीकों को क्षमता, गुणवत्ता और दक्षता के दृष्टिकोण से उन्नत बनाने के लिए विश्व बैंक की सहायता से चलाई जाने वाली परियोजना, प्रौद्योगिकी के ऐसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में जहां त्रुटियां हों, सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण, प्रौद्योगिकी के उभरते क्षेत्रों में आधारभूत ढांचे का सृजन आदि तथा अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद्, अधिनियम, 1987 के क्षेत्राधिकार के अंतर्गत सांविधिक अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् द्वारा शुरू किए गए प्रोन्नति संबंधी विभिन्न उपाय शामिल हैं।

Wastage of Funds by Universities in Delhi

1650. SHRI K. M. KHAN:
SHRI BISHAMBHAR NATH PANDE:

Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether Government have received reports regarding wastage of valuable funds made available to four Universities in Delhi;

(b) if so, the details thereof with names of such Universities;

(c) whether some lapses on the working of these Universities have also been reported; and

(d) if so, the deatils thereof and steps proposed to be taken to check the wastage of available funds?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (DEPTT. OF EDUCATION AND DEPTT. OF CULTURE) (KUMARI SELJA): (a) to (d) The information is being collected and will be laid on the table of the Sabha.

Status of Women in the Country

1651. SHRI SANJAY DALMIA:
SHRI K. M. KHAN:

Will the Minister of HUMAN RESOURCES DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the report on the status of women under the aegis of his Ministry had strongly deplored the inappropriate status of women in all walks of life in the country; and

(b) if so, what is Government's reaction thereto and what steps Government propose to take to improve the image of women?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (DEPTT OF WOMEN AND CHILD DEVELOPMENT) (SHRIMATI BASAVA RAJESWARI): (a) No, Sir. No status report deploring the condition of Indian women has been brought out. However, a draft country Report for the 4th World Conference on Women (Beijing 1995) has been prepared which highlights various aspects relating to thte situation of Indian Women including their problems, their challenges, their visions and their perceptions and the Government and non-Government response. This Draft Report is now being deliberated and discussed widely in the country.

(b) Continuous efforts are on to improve the status of women through advocacy, institutional and policy development, programme interventions and measures of affirmative discrimination seek-